MS DOS Notes in Hindi

1. Dir :- ये command की Help से आप Ms dos मे create की हुई All directories और files की सभी List को देख सकते है, जिसके लिए हम मुख्य रूप से इस तरह से Syntax का Use करेगे।।

Syntax-> C:\ Dir (enter)

2. Dir/p:- अगर आपको Page wise अपनी बनी हुई All directory और files कि List को देखना है तो ह ये Command का use करते है।। जिसका Syntax आपको कुछ ऐसा लिखना पड़ेगा।।

Syntax-> C:\ Dir/p (enter)

3. Dir/w:- अगर Word wise All directory और files कि List को देखना चाहते है तो आप इस command का use करे, जिसका Simple Syntax ऐसा है।।

Syntax-> C:\ Dir/w (enter)

4. Dir/s :- इस command कि मदद से हम dos मे बनी हुयी सभी directory और files कि List तथा directory के अनदर बनी हुयी सब Files / directory को देख सकते है, जिसका Syntax आप ऐसे लिख सकते है।।

Syntax-> C:\ Dir/s (enter)

5. Dir/aa:- अगर आपको सभी files कि List को देखना है तो इस कमांड का उपयोग करे, syntax के लिए ऐसे लिखे।।

Syntax-> C:\ Dir/aa (enter)

6. Dir/ad :- Ms dos मे बनी हुयी सभी directory कि List को देख सकते है

Syntax-> C:\ Dir/ad (enter)

7. Dir/ah :-इस particular Command कि मदद से हम dos मे बनी हुयी सभी directory और files कि List को देख सकते है, आप ऐसे syntax use करे।।

Syntax-> C:\ Dir (enter)

8. Dir/on:- ये command सभी directory और files की List को Ascending order मे लाने के लिए use में लाया जाता है, syntax ऐसा आप लिखे।

Syntax-> C:\ Dir/on (enter)

9. Dir/o-n:- इस command सभी directory और files की List को descending order में लाने के लिए use करते है।

Syntax-> C:\ Dir/o-n (enter)

10. Dir/s/p:- इस command कि मदद से हम dos मे बनी हुयी सभी directory और files कि List तथा directory के अनदर बनी हुयी सब Files / directory को page wise देख सकते है

Syntax-> C:\ Dir/s/p (enter)

11. Md (Making Director):- इस command कि मदद से हम dos मे directory बना सकते है

Syntax-> C:\ Md Name (enter)

12. cd(change Directory):- इस command कि मदद से हम dos मे बनी हुयी directory के अंदर जा सकते है

Syntax-> C:\ Cd Name (enter)

13. Copy con:- इस command कि मदद से हम dos मे files बना सकते है फाइल को सेव करने के लिए कीबोर्ड पर Ctrl + Z या f6 को press करेंगे

Syntax-> C:\ copy con name (enter)

14. Type:- इस command कि मदद से हम dos मे बनी files के अंदर जा सकते है

Syntax-> C:\ type Name (enter)

15 . Cd.. :- इस command कि मदद से हम dos मे किसी भी directory के बहार आ सकते है

Syntax-> C:\ cd.. (enter)

16. Cls (Clear Screen) :- इस command कि मदद से हम dos स्क्रीन को खली कर सकते है

Syntax-> C:\ cls (Enter)

17. time:- इस command कि मदद से हम dos मे वर्तामान समय देख सकते है जो भी कंप्यूटर मै सेट होगा साथ ही हम नया टाइम भी सेट कर सकते है time format HH/MM./SS होना चाइये जेसे - 15:20:68

Syntax-> C:\ time (Enter)

18. Exit : - इस command कि मदद से हम dos को बंद कर सकते है Syntax-> C:\ Exit (enter)

19. Date :- इस command कि मदद से हम dos मे तारीख देख और बदल भी सकते है डेट कि format MM/DD/YYYY होत्ती है जेसे 25-10-2018

Syntax-> C:\ Exit (enter)

20. Ren : -इस command कि मदद से हम dos मे बनि किसी भी files या directory का नाम बदल सकते है

Syntax-> C:\ Ren oldName NewName (enter)

21. Copy :- इस command कि मदद से हम dos मे बनी किसी एक file को copy कर सकते है

Syntax-> C:\ copy filename filename (enter)

22.Del :- इस command कि मदद से हम dos मे बनी किसी file या directory को delete कर सकते है

Syntax-> C:\ DEL NAME(enter)

23. ver:- इस command कि मदद से हम Windows का version देख सकते है

Syntax-> C:\ ver (enter)

24. Vol :- इस command कि मदद से हम Label देख सकते है

Syntax-> C:\ vol (enter)

25. Label :- इस command कि मदद से हम dos मे Computer Drive का नाम बदल सकते है

Syntax-> C:\ label (enter)

26. Edit :- इस command कि मदद से हम dos मे बनी किसी file को Readable बना सकते है, यानी की उस फाइल में कोई भी कुझ सुधार नहीं कर पायेगा केवल और केवल उस फाइल को पढ़ पायेगा

Syntax-> C:\ attrib +r filename (enter)

27. Attirb +r :- इस command कि मदद से हम dos मे बनी किसी file को Readable बना सकते है, यानी की उस फाइल में कोई भी कुझ सुधार नहीं कर पायेगा केवल और केवल उस फाइल को पढ़ पायेगा

Syntax-> C:\ attrib +r filename (enter)

28. Attrib –r :- इस command कि मदद से हम dos मे बनी किसी Readable बनी फाइल यानी की उस फाइल में कुझ सुधार कर पायंगे जिसमे पहले सुधार नहीं हो रहा था

Syntax-> C:\ attrib -r filename (enter)

29. Attrib +h :- इस command कि मदद से हम dos मे बनी किसी file या directory को छुपाया जा सकता है जिसे केवल dir/ah की मदद से ही देखा जा सकता है

Syntax-> C:\ attrib +h name (enter)

30. Attrib -h :- इस command कि मदद से हम dos मे छिप्पी किसी भी file या directory बापस लेकर आ सकते है

Syntax-> C:\ attrib –h name (enter)

External Commands of MS-DOS

1. LABEL Command

इस कमांड का उपयोग कर के drive का Label और Serial Number देख सकते हैं और उसका label बदल सकते हैं.

Label का size Windows XP में 11 characters का और Windows 7 में 32 characters के होते हैं. इसके अलावा label को delete भी कर सकते हैं.

Syntax: c: \> LABEL <Drive Name>

Example: – c: \> LABEL A:

2. Tree Command:

Tree Command का उपयोग कर के हम files और directories को Tree के format में देख सकते हैं जिस तरह tree में braches होते हैं.

Syntax: – c: \> TREE / [Switch] [path]

Example: – c: \> TREE / F micro

3. CHKDSK Command:

CHKDSK’s का पूरा नाम Check Disk, इससे हम Secondary memory को चेक करते हैं.

Syntax: – c: \> CHKDSK <Drive Name>

Example: – c: \> CHKDSK D: \

3. Append Command:

ये command data file तक path provide करता है. Append command path comma की तरह काम करता है. इस कमांड का उपयोग मुख्यत हम 3 tasks के लिए करते हैं.

इस command की मदद से हम डाटा फाइल की पथ देख सकते हैं ब्रेक कर सकते हैं और साथ path बदल सकते हैं

Path देखने के लिए

c: \> append

Path break करने के लिए

c: \> Append;

No Path

Path Setting करने के लिए

Syntax: – Append = data file address; other data file address

c: \> Append = c: \ micro; d: \ Mukesh

4. DiskCopy Command:

इस कमांड का उपयोग हम floppy disk को कॉपी करने के लिए करते हैं. ज्यादातर floppy disk बार बार ख़राब हो जाते हैं और इसीलिए multiple floppy disk में data की कॉपी बनाकर रखने के लिए इस कमांड का उपयोग करते हैं.

Note: दोनों Floppy disk का size बराबर होना चाहिए. जिस floppy disk में copy करना चाहते हैं उसे पहले format कर लें. उसके बाद दोनों disk को copy कर लें.

Syntax: – c: \> Diskcopy <First Drive Name> <Second Drive Name>

Example: – c: \> DiskCopy A: A:

- जिस डिस्क से कॉपी करना है यानि Source Disk को drive A: insert करें.
- उसके बाद कोई भी Key press करें.
- फिर Target disk यानि जिस disk में copy कर के डाटा भेजना चाहते हैं उसे Drive A: में insert करें.
- इसके बाद कोई भी Key press करें.

5. DiskComp Command:

इससे हम 2 Floppy Disk को compare कर सकते हैं. इस command का उपयोग Diskcopy का इस्तेमाल करने के तुरंत बाद में करते हैं.

इसमें ये चेक किया जाता है की floppy disk copy करने के वक़्त कोई file miss तो नहीं हो गया.

Syntax: – c: \> DiskComp <First Drive Name> <Second Drive Name>

Example: – c: \> diskcomp A: A:

6. SYS Command:

इस का पूरा नाम system of the command है. इस का उपयोग कर के हम bootable disk create कर सकते हैं.

ये bootable file disk की copy भी बना सकते हैं. प्रोसेस पूरा हो जाने के बाद एक मैसेज आता है की जो बताता है की disk bootable बन चूका है. डिस्क की मदद से कंप्यूटर को boot कराया जा सकता है.

Syntax: – C: \> SYS A:

Example: – C: \> SYS A:

7. Help Command:

Help कमांड का इस्तेमाल कर के हम DOS कमांड्स के बारे में हेल्प ले सकते हैं की कौन सा कमांड कैसे काम करता है.

Syntax: – c: \> HELP <command Name>

Or

c: \> Command Name /?

Example: – C: \> dir /?

8. Print command:

Print का इस्तेमाल कर के हम LinePrinter की मदद से किसी printout निकाल सकते हैं वो भी बैकग्राउंड में.

Syntax: – Print <file Name>

Example: – C: \> Print micro.txt

9. DOSKEY Command:

ये एक तरह कैमरा की तरह काम करता है. ये 5.0 से ऊपर के ऑपरेटिंग सिस्टम में उपलब्ध है.जिसका उपयोग हम इसके ऊपर के version में कर सकते हैं. यह सबकुछ रिकॉर्ड करता है.

जिसे आप बाद में भी देख सकते हैं. और इसका इस्तेमाल भी कर सकते हैं. आप Alt +F7 का इस्तेमाल कर के record history को delete भी कर सकते हैं. UP और DOWN बटन का इस्तेमाल कर के record को देख सकते हैं.

Syntax: – c: \> DOSKEY

Example: – C: \> DOSKEY

10. Attrib Command:

Attrib की मदद से आप किसी file या फोल्डरके attribute को देख सकते हैं. साथ ही इसके attribute को बदल भी सकते हैं.

File और folder के लिए 4 तरह के attribute होते हैं.

Read Only: – इस attribute का मतलब है की file को सिर्फ पढ़ा जा सकता है.
Hidden: – इस attribute का उपयोग कर के file या directory को hide किया जा सकता है.
System: – इस attribute का इस्तेमाल कर के file और directory को system file और directory में बदल सकते हैं.

Archive: – archive attribute के मदद से file और directory को archive किया जा सकता है.
Note: – "can set attribute from this and "-" remove the attribute from this.

Syntax: – ATTRIB / – ATTRIBUTES [PATH \ FILE OR DIRECTORY NAME]

Attribute set करने के command
और attribute remove करने के

- Read R -R
- Hidden H-H
- Archive A-A
- System S -S

11. Backup Command:

Backup का इस्तेमाल क्यों करते हैं ये तो आपको मालूम ही होगा. जब हम डाटा को किसी दूसरे disk में store करके रखते हैं तो उसे backup बोलै जाता है.

Backup लेना बहुत जरुरी होता है क्यों की अगर हमने file या directory को एक जगह में रखा है और अगर वो गलती से corrupt हो जाता है तो फिर हमारा डाटा हमे दुबारा पाने के लिए backup बहुत मदद करता है.

अगर बैकअप से हमारे file और directory हमे वापस मिल जाते हैं. इसके लिए हमे Restore command का इस्तेमाल करना होता है.

Syntax: – c: \> Backup <source address> <destination disk or address> 8

Edit [path \ file name or new file name]

Example: – c: \> backup c: \ micro A: \

12. Edit command:

किसी बनाये हुए फाइल में कुछ बदलाव करने के लिए और उसमे कुछ गड़बड़ी को सुधारने के लिए हम EDIT का इस्तेमाल करते हैं. इसकी मदद से नयी फाइल भी बना सकते हैं.

इस में menu system होता है जिसकी मदद से हम कामों को आसानी से कर लेते हैं इसमें माउस का इस्तेमाल भी कर सकते हैं. EDITOR से exit करे के लिए menu के exit का इस्तेमाल किया जाता है.

Syntax: – c:\micro>edit student

Example: – c:\micro>edit student

13. Move Command:

MOVE का इस्तेमाल कर के किसी file को एक location से दूसरे location में move कर सकते हैं. File को move करने के बाद 1 file moved message आता है.

Syntax: – move <Source address> File Name> <Destination Address> 8

Example: -move d: \ computer e: \

14. FORMAT Command:

इस command की मदद से हम Disk को format कर सकते हैं. जब भी इस कमांड का इस्तेमाल करे तब extra सावधानी बरतनी चाहिए क्यों की डाटा डिलीट हो सकती है. इस में Q स्विटच का इस्तेमाल कर के quick format कर सकते हैं.

Syntax: – c: \> FORMAT / [SWITCH] Drive Name:

Example: – c: \> FORMAT / Q d:

Warning all data on non-removable disk

Drive d: will be Lost!

Proceed with the format (Y / N)? _Y

Volume label (Enter for none)? _

15. FDISK Command:

ये कमांड partition को delete करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. इसका उपयोग कर के नया partition भी बनाने के लिए भी इस्तेमाल करते हैं. इस कमांड का उपयोग बहुत ही ध्यान से करना चाहिए.

Disk Partition के 3 प्रकार ये हैं.

1. Primary partition
2. Extend partition
3. Logical partition

Delete Partition: – To delete partitions, first delete the logical partitions. After that, delete the extended partition. And finally, delete the primary partition.

Partition को delete करने के लिए पहले logical partitions को delete करना होता है. उसके बाद Extended partition को delete करें. और फिर finally primary partition को delete करें.

Logical> Extend Partition> Primary Partition

Creating Partition: – Creating primary partition first creates a partition. After this, make the expanded partition. Finally, create a logical partition.

जब partition create करने की बारी आती है तो सबसे पहले primary partition को create करते हैं. उसके extended partition को create करना होता है और सबसे last में logical partition को create करते हैं.

Primary> extend> logical

C: \> Fdisk

Yes

1.Create Partition

2.Delete Partition

3.Display Partition

16. Sort command:

Sort एक फिलटर कमाण्ड है. इस command की मदद से हम file को alphabetize कर सकते हैं.

यहाँ आप बता सकते हैं फाइल के किस column को आप SORT करना चाहते हैं. अगर आप column को specify नहीं करते तो SORT first column के character के अनुसार alphabetize कर देता है.

Syntax: – c: \> Sort File Name

or

Sort filename >> new fileName

Example: – c: \> Sort computer

17. MSAV Command

यह एक एक्सटर्नल कमांड है. जिसका उपयोग कंप्यूटर में वायरस को स्कैन करने के लिए कर सकते हैं. जिस भी ड्रेस को हम स्कैन करना चाहते हैं बस कमेंट के जरिए उस टाइप का नाम दे देते हैं तो वह उसे स्कैन कर लेता है. अगर आप किसी ड्राइव का नाम नहीं देते हैं तो इसलिए जिस टाइम में होगा उसी को स्कैन करेगा.

यह कमांड हर डायरेक्टरी में एक CHKLIST.MS file बना देता है जिसमें यह स्कैनिंग करता है. इसमें यह अपने रिक्त कैनिंग का रिकॉर्ड रखता है.

Syntax MSAV [d:] [/S|/C]

/S – अगर आप सिर्फ अपने ट्राइब को स्कैन करना चाहते हैं बिना वायरस को रिमूव किए हुए तो इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

/C – अगर आप स्कैन करने के साथ-साथ वायरस तो इस एट्रिब्यूट का इस्तेमाल कर सकते हैं.

18. LESS Command

यह एक अलीना में प्रयोग होने वाला कमांड है जो किसी टेक्स्ट फाइल के कंटेंट को पढ़ने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जो कि एक समय में एक ही स्क्रीन में एक ही पेज को पड़ता है. यह बहुत फास्ट काम करता है क्योंकि यह पूरे फाइल को एक साथ लोड नहीं करता बल्कि जितनी जरूरत होती है बस उतना ही लोड करता है.

Syntax : less filename

एमएस डॉस में डिलीट फाइल को दोबारा लाने के लिए कौन सी कमांड दी जाती है?

डिलीट किए हुए फाइल को दोबारा लाने के लिए UNDELETE कमांड का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके अलावा इस स्टेप को भी फॉलो कर सकते हैं:

C : \ Users\ program files\ chkdsk D : /f इसके बाद Y प्रेस करें जब तक कि कमांड लाइन शुरु ना हो जाए.

इसके बाद यह कमांड टाइप करें. आपको जहां भी बैकअप को स्टोर करना है उस ड्राइव का लेटर भी टाइप करें.

(C: या D: \ >attrib –h –r –s /s /d ***.***)

एमएस डॉस के अंदर में कितनी कमांड है?

इसके अंतर्गत मुख्य रूप से दो प्रकार के कमांड होते हैं.

1. Internal
2. External

Internal कमांड के अंतर्गत कुछ मुख्य कमांड यह है:

Date Time, Time, Type, CLS, Copy, Delete, MD, CD, RD, Exit इत्यादि.

External कमांड के अंतर्गत कुछ मुख्य कमांड यह है:

Edit, Xcopy, CHKDSK, Label, Diskcopy, TREE, DELTREE, DOSKEY, FIND, SORT इत्यादि.

एमएस डॉस में सेव किए हुए डाटा को एडिट करने का कमांड क्या होगा?

इसके अंतर्गत जो भी फाइल हम सेव करते हैं उसे एडिट करने के लिए आप EDIT कमांड का इस्तेमाल कर सकते हैं.

C:/> Edit Filename — <-Enter